# TECHNICAL UNIVERSITY OF CRETE, GREECE DEPARTMENT OF ELECTRONIC AND COMPUTER ENGINEERING

# Narukom

# A Distributed, Cross-Platform, Transparent Communication Framework for Robotic Teams



Evangelos E. Vazaios

Thesis Committee

Assistant Professor Michail G. Lagoudakis (ECE) Assistant Professor Vasilios Samoladas (ECE) Assistant Professor Nikolaos Vlassis (DPEM)

Chania, February 2010

#### ΠολΥΤΕΧΝΕΙΟ ΚΡΗΤΗΣ

#### ΤΜΗΜΑ ΗΛΕΚΤΡΟΝΙΚΩΝ ΜΗΧΑΝΙΚΩΝ ΚΑΙ ΜΗΧΑΝΙΚΩΝ ΥΠΟΛΟΓΙΣΤΩΝ

## Narukom

Ένα Κατανεμημένο, Διαλειτουργικό, Διάφανο Πλαίσιο Επικοινωνίας για Ρομποτικές Ομάδες



Ευάγγελος Ε. Βαζαίος

Εξεταστική Επιτροπή

Επίκουρος Καθηγητής Μιχαήλ Γ. Λαγουδάκης (ΗΜΜΥ) Επίκουρος Καθηγητής Βασίλειος Σαμολαδάς (ΗΜΜΥ) Επίκουρος Καθηγητής Νικόλαος Βλάσσης (ΜΠΔ)

Χανιά, Φεβρουάριος 2010

#### Abstract

Teams participating in a game require means of interaction among their members in order to coordinate their efforts and achieve a common goal. For human teams this is a natural skill and comes without much effort, however for robotic teams communication is not trivial. This thesis describes a distributed communication framework for robotic teams developed for the Standard Platform League (SPL) of RoboCup, the annual international robotic soccer competition. During a game, robot players need to share perceptual, strategic, and other team-related information with their team-mates typically over the wireless network. Maintaining a synchronized copy of each robot's data on each node of the network is both inefficient and unrealistic for real-time systems. Our proposal suggests a distributed and transparent communication framework, called Narukom, whereby any node (robot or remote computer) can access on demand any data available on some other node of the network in a natural way. The framework is based on the publish/subscribe paradigm and provides maximal decoupling not only between nodes, but also between threads on the same node. The data shared between the nodes of the team are stored on local blackboards which are transparently accessible from all nodes. To address synchronization needs, which are common in robotic teams, we have integrated temporal information into the meta-data of the underlying messages exchanged over the network. Narukom's distributed nature and platform independence make it an ideal base for the development of coordination strategies and for distribution of resource-intensive computations over different nodes. Narukom has been created for and has been successfully used by our RoboCup team, Kouretes, for exchanging data between the Nao robots of the team, however it can be used in any distributed network application with similar communication needs.

# Περίληψη

Κάθε ομάδα που συμμετέχει σε ένα παιχνίδι χρειάζεται κάποιο τρόπο επικοινωνίας μεταξύ των μελών της προχειμένου αυτά να συντονίσουν τις προσπάθειές τους και να πετύχουν τον κοινό στόχο τους. Για ανθρώπινες ομάδες, η επικοινωνία είναι τελείως φυσική διαδικασία και αναπτύσσεται χωρίς ιδιαίτερο κόπο, ωστόσο για ρομποτικές ομάδες είναι ένα μη τετριμμένο θέμα. Η παρούσα διπλωματική εργασία περιγράφει ένα κατανεμημένο πλαίσιο επικοινωνίας για ρομποτικές ομάδες που αναπτύχθηκε για το πρωτάθλημα Standard Platform League του RoboCup, του ετήσιου διαγωνισμού ρομποτικού ποδοσφαίρου. Κατά τη διάρκεια ενός αγώνα, οι ρομποτικοί παίκτες χρειάζονται να μοιράζονται πληροφορίες που σχετίζονται με την αντίληψή τους, τη στρατηγική τους, ή άλλα στοιχεία της ομάδας με τους συμπαίκτες τους, κατά κανόνα μέσω του ασύρματου δικτύου. Η διατήρηση ενός πάντα ενημερωμένου αντιγράφου των δεδομένων του κάθε ρομπότ σε κάθε έναν από τους υπόλοιπους κόμβους του δικτύου είναι αναποτελεσματική και μη ρεαλιστική προσέγγιση, ειδικά για τέτοια συστήματα πραγματικού χρόνου. Η πρότασή μας συνιστά ένα εύχρηστο, κατανεμημένο και διάφανο πλαίσιο επικοινωνίας, με την επωνυμία Narukom, μέσω του οποίου κάθε κόμβος του δικτύου (ρομπότ ή απομακρυσμένος υπολογιστής) έχει τη δυνατότητα να προσπελάσει όλα τα διαθέσιμα δεδομένα σε κάποιον άλλο κόμβο του δικτύου με απλό και φυσικό τρόπο. Το πλαίσιο βασίζεται στο μοντέλο publish/subscribe, το οποίο προσφέρει τη μεγαλύτερη δυνατή ανεξαρτησία μεταξύ των κόμβων του δικτύου, αλλά και μεταξύ των νημάτων που τρέχουν σε κάθε κόμβο. Τα δεδομένα που μοιράζονται μεταξύ τους οι κόμβοι αποθηκεύονται σε τοπικές δομές (blackboards) που είναι διάφανα προσβάσιμες από τους υπόλοιπους κόμβους. Επιπλέον, για να αντιμετωπισθεί η ανάγκη συγχρονισμού των δεδομένων, που είναι συνήθης σε ρομποτικές ομάδες, προθέσαμε χρονική πληροφορία στα μετα-δεδομένα των μηνυμάτων που διακινούνται στο δίκτυο. Η κατανεμημένη αρχιτεκτονική του Narukom και η ανεξαρτησία του ως προς την πλατφόρμα εκτέλεσης το καθιστούν ιδανική βάση για την ανάπτυξη περίπλοκων στρατηγικών συντονισμού και για την κατανομή απαιτητικών υπολογισμών σε διαφορετικούς κόμβους. Το Narukom δημιουργήθηκε και χρησιμοποιήθηκε με επιτυχία για την ανταλλαγή δεδομένων μεταξύ των ρομπότ Ναο της ομάδας Κουρήτες του Πολυτεχνείου Κρήτης, ωστόσο μπορεί να χρησιμοποιηθεί και σε άλλες κατανεμημένες εφαρμογές με παρόμοιες ανάγκες επικοινωνίας.

# Contents

| 1            | Introduction |                                    |   |  |  |  |
|--------------|--------------|------------------------------------|---|--|--|--|
|              | 1.1          | Thesis Outline                     | 2 |  |  |  |
| 2 Background |              |                                    |   |  |  |  |
|              | 2.1          | RoboCup Competition                | 5 |  |  |  |
|              | 2.2          | RoboCup Leagues                    | 5 |  |  |  |
|              | 2.3          | RoboRescue                         | 6 |  |  |  |
|              | 2.4          | RoboCup@Home                       | 6 |  |  |  |
|              | 2.5          | RoboCup Junior                     | 7 |  |  |  |
|              |              | 2.5.1 Dance                        | 8 |  |  |  |
|              |              | 2.5.2 Rescue                       | 8 |  |  |  |
|              |              | 2.5.3 Soccer                       | 8 |  |  |  |
|              | 2.6          | RoboCup Soccer League              | 8 |  |  |  |
|              |              | 2.6.1 The Standard Platform League | 8 |  |  |  |
|              |              | 2.6.2 Simulation League            | 0 |  |  |  |
|              |              |                                    | 0 |  |  |  |
|              |              | 2.6.4 Middle Size League           | 1 |  |  |  |
|              |              | 2.6.5 Humanoid League              | 1 |  |  |  |
|              | 2.7          |                                    | 2 |  |  |  |
|              | 2.8          |                                    | 3 |  |  |  |
|              |              | 2.8.1 Cameras                      | 4 |  |  |  |
|              |              | 2.8.2 Connectivity                 | 5 |  |  |  |
|              |              |                                    | 5 |  |  |  |
|              |              | 2.8.4 NaoQi                        | 5 |  |  |  |
|              | 2.9          | General Overview                   | 6 |  |  |  |

#### CONTENTS

|   | 2.10 | Communication Technology Background   | 6  |  |  |  |  |
|---|------|---------------------------------------|----|--|--|--|--|
|   |      | 2.10.1 UDP                            | 6  |  |  |  |  |
|   |      | 2.10.2 The Publish/Subscribe Paradigm | 7  |  |  |  |  |
|   |      | 2.10.3 Google Protocol Buffers        | 8  |  |  |  |  |
|   |      | 2.10.4 Blackboard                     | 8  |  |  |  |  |
|   |      | 2.10.5 Boost Cplusplus Libraries      | 9  |  |  |  |  |
| 3 | Con  | nmmunication 2                        | 1  |  |  |  |  |
|   | 3.1  | Need for Communication                | 21 |  |  |  |  |
|   | 3.2  | Communication in a team               | 21 |  |  |  |  |
|   | 3.3  | Communication across robots           | 22 |  |  |  |  |
|   | 3.4  | Communication in Robocup              | 22 |  |  |  |  |
| 4 | Nar  | ukom 2                                | 5  |  |  |  |  |
|   | 4.1  | Name                                  | 25 |  |  |  |  |
|   | 4.2  | The Concept                           | 25 |  |  |  |  |
|   | 4.3  | Architecture                          | 26 |  |  |  |  |
|   |      | 4.3.1 Overview                        | 26 |  |  |  |  |
|   |      | 4.3.2 Narukom in Robocup              | 26 |  |  |  |  |
|   |      | 4.3.3 Blackboard                      | 26 |  |  |  |  |
|   | 4.4  | Data Serialization                    | 27 |  |  |  |  |
|   | 4.5  | Synchronization                       | 29 |  |  |  |  |
|   | 4.6  | Communication within and across nodes | 30 |  |  |  |  |
|   |      | 4.6.1 Channels                        | 30 |  |  |  |  |
| 5 | Froi | m Theory To Practice                  | 3  |  |  |  |  |
|   | 5.1  | Understanding the basics              | 33 |  |  |  |  |
|   |      | 5.1.1 Messages                        | 33 |  |  |  |  |
|   |      | 5.1.2 MessageBuffer                   | 34 |  |  |  |  |
|   | 5.2  | Publish/Subscribe system in Narukom   | 34 |  |  |  |  |
|   |      | 5.2.1 Message Queue                   | 35 |  |  |  |  |
|   | 5.3  | Blackboard and Synchronization        | 36 |  |  |  |  |
|   | 5.4  | Communication across nodes            | 37 |  |  |  |  |
|   | 5.5  | Catalog Module                        |    |  |  |  |  |
|   | 5.6  | Network Communication                 | 39 |  |  |  |  |

|    |            | 5.6.1  | NetworkChannel                | . 40      |  |  |  |  |  |  |
|----|------------|--------|-------------------------------|-----------|--|--|--|--|--|--|
|    |            | 5.6.2  | UpdMulticastChannel           | . 40      |  |  |  |  |  |  |
| 6  | Results    |        |                               |           |  |  |  |  |  |  |
|    | 6.1        | Valida | ${ m tion}$                   | . 41      |  |  |  |  |  |  |
|    | 6.2        | Metric | es                            | . 42      |  |  |  |  |  |  |
|    | 6.3        | Synchi | ronization                    | . 42      |  |  |  |  |  |  |
|    | 6.4        | User F | Friendliness                  | . 42      |  |  |  |  |  |  |
| 7  | Rel        | ated W | Vork                          | 43        |  |  |  |  |  |  |
|    | 7.1        | Shared | d Memory                      | . 43      |  |  |  |  |  |  |
|    |            | 7.1.1  | Blackboard/Shared World Model | . 44      |  |  |  |  |  |  |
|    |            | 7.1.2  | Message queue and Streams     | . 44      |  |  |  |  |  |  |
|    |            | 7.1.3  | Publisher/Subscribe           | . 45      |  |  |  |  |  |  |
|    | 7.2        | Overvi | iew                           | . 45      |  |  |  |  |  |  |
| 8  | Fut        | ure Wo | ork                           | 47        |  |  |  |  |  |  |
|    | 8.1        | Altern | native Channels               | . 47      |  |  |  |  |  |  |
|    | 8.2        | Naruk  | om outside robocup            | . 47      |  |  |  |  |  |  |
|    | 8.3        | Optim  | nization and Debugging        | . 48      |  |  |  |  |  |  |
| 9  | Conclusion |        |                               |           |  |  |  |  |  |  |
|    | 9.1        | Out To | o The Real World              | . 49      |  |  |  |  |  |  |
| Re | efere      | nces   |                               | <b>52</b> |  |  |  |  |  |  |

# List of Figures

| 2.1 | RoboRescue environments can become extremely hostile for robots.      | 6  |
|-----|---|----|
| 2.2 | Robocup@Home represents a social aspect of robotics interacting       |    |
|     | with people   | 7  |
| 2.3 | Standard Platform League game in Robocup 2008( Opponents              |    |
|     | should be in different colors, but there was a lack of Nao robots in  |    |
|     | that event due to malfunctions )                                      | 9  |
| 2.4 | Middle size league game in Robocup 2008                               | 11 |
| 2.5 | Kouretes team 2008 formation. From left to right in the front row are |    |
|     | Andreas Panakos(SPL), Daisy Chroni(Simulation Team), Alexandros       |    |
|     | Paraschos(SPL), Stathis Vafias(Simulation Team), and in the back row  |    |
|     | Professor Michail G. Lagoudakis (Kouretes Team Leader ) and Georgios  |    |
|     | F. Pierris(SPL)   | 13 |
| 2.6 | Nao's field of View   | 14 |
| 4.1 | Narukom's architecture  | 27 |
| 5.1 | Narukom's publish/subscribe implementation                            | 35 |

#### LIST OF FIGURES

# Chapter 1

# Introduction

Communication is a much need skill, which is met everywhere around us from a human cell and micro-organisms to vastly advanced animals as humans. Even the nature itself reinvents itself if a communication channel is broken down. Humans since the advent of their history form all kinds of groups striving to achieve a common goal, especially, in our time and age, for teams participating in games, where success can only be achieved through collaborative and coordinated efforts. Teams lacking means of communication are doomed to act simply as a collection of individuals with no added benefit, other than the multiplicity of individual skills. For human teams, communication is second nature; it is used not only for teamwork in games, but also in all aspects of life, and takes a multitude of different forms (oral, written, gestural, visual, auditory). Robots can hardly replicate all human communication means, since these would require extremely accurate and robust perceptual and action abilities on each robot. Fortunately, most modern robots are capable of communicating over data networks, an ability which is not available to their human counterparts. However, exploiting such networking means for team communication purposes in an efficient manner that does not drain the underlying resources and provides transparent exchange of information in real time is a rather challenging problem.

This thesis describes a distributed communication framework for robotic teams, which was originally developed for the Standard Platform League (SPL) of the RoboCup (robotic soccer) competition, but can easily serve any other domain

#### 1. INTRODUCTION

with similar communication needs. During a RoboCup game, robot players occasionally need to share perceptual, strategic, and other team-related information with their team-mates in order to coordinate their efforts. In addition, during development and debugging, human researchers need to be in direct contact with their robots for monitoring and modification purposes. Typically, these kinds of communication take place over a wireless network. The naive solution of maintaining a synchronized copy of each robot's data on each node on the network is both inefficient and unrealistic for such real-time systems.

Our proposal suggests a distributed and transparent communication framework, called Narukom, whereby any node of the network (robot or remote computer) can access on demand any data available on some other node in a natural and straightforward way. The framework is based on the publish/subscribe paradigm and provides maximal decoupling not only between nodes, but also between threads running on the same node. As a result, Narukom offers a uniform communication mechanism between different threads of execution on the same or on different machines. The data shared between the nodes of the team are stored on local blackboards which are transparently accessible from all nodes. In real-time systems, such as robotic teams, data come in streams and are being refreshed regularly, therefore it is important to communicate the latest data or data with a particular time stamp among the robots. To address such synchronization needs, we have integrated temporal information into the meta-data of the underlying messages exchanged over the network. Narukom's distributed nature and platform independence make it an ideal base for the development of complex team strategies that require tight coordination, but also for the distribution of resource-intensive computations, such as learning experiments, over several (robot and non-robot) nodes.

#### 1.1 Thesis Outline

Chapter 2.10 provides some background information on the RoboCup Competition and the underlying technologies used to developed *Narukom*. In Chapter 3 we demonstrate some important aspects of the problem of communication across robots. Continuing to chapter 4, where the core ideas and an outline of the

architecture of our proposal is discussed. Moving on to chapter 5, a thorough discussion about optimization, implementation design and decisions taken during the development of *Narukom*. In Chapter 6 a discussion on the results is taking place by providing several experiments in order to evaluate our work. The following chapter 7, presents similar systems developed by other robocup teams including a brief comparison between those systems and ours. Future work and proposals on extending and improving our framework are the subject of the chapter 8. The final chapter 9 serves as an epilogue to this thesis, including a small overview of the system and some long terms plans about *Narukom*.

#### 1. INTRODUCTION

# Chapter 2

# Background

## 2.1 RoboCup Competition

The RoboCup Competition, in its short history, has grown to a well-established annual event bringing together the best robotics researchers from all over the world. The initial conception by Hiroaki Kitano [1] in 1993 led to the formation of the RoboCup Federation with a bold vision: "By the year 2050, to develop a team of fully autonomous humanoid robots that can win against the human world soccer champions". The uniqueness of RoboCup stems from the real-world challenge it poses, whereby the core problems of robotics (perception, cognition, action, coordination) must be addressed simultaneously under real-time constraints. The proposed solutions are tested on a common benchmark environment through soccer games in various leagues, with the goal of promoting the best approaches, and ultimately advancing the state-of-the-art in the area.

## 2.2 RoboCup Leagues

Beyond soccer, RoboCup now includes also competitions in search-and-rescue missions (RoboRescue), home-keeping tasks (RoboCup@Home), robotic performances (RoboDance), and simplified soccer leagues for K-12 students (RoboCup Junior). Broadening the research areas where RoboCup focuses, was a very interesting and clever addition, which enables all the more scientists and researchers

#### 2. BACKGROUND

combine their expertise in order to solve real world problems. A lot of progress has been made so far in many disciplines of robotics and RoboCup has been established in one of the most important events around the world.

#### 2.3 RoboRescue

RoboRescue initiated from the need of people to create robots capable of operating in hostile or inaccessible environments by humans. This area is very motivating in terms of helping the humanity while promoting robotics. Multiagent team work coordination, physical robotic agents and rescue strategies are all being tested in real or simulated environments (Figure 2.1), using sensors including cameras, temperature sensors,  $CO_2$  sensors and other that allow for fast and efficient human body localization.



Figure 2.1: RoboRescue environments can become extremely hostile for robots.

## 2.4 RoboCup@Home

The RoboCup@Home league aims to develop service and assistive robot technology with high relevance for future personal domestic applications. It is the largest international annual competition for autonomous service robots and is part of the

RoboCup initiative. A set of benchmark tests is used to evaluate the robots' abilities and performance in a realistic non-standardized home environment setting (Figure 2.2).

Most of the research lies in many domains including Human-Robot-Interaction and Cooperation, Navigation and Mapping in dynamic environments, Computer Vision and Object Recognition under natural light conditions, Object Manipulation, Adaptive Behaviors, Behavior Integration, Ambient Intelligence, Standardization and System Integration.



Figure 2.2: Robocup@Home represents a social aspect of robotics interacting with people.

# 2.5 RoboCup Junior

Robocup Junior is one of the smaller and less competitive, in terms of antagonism sub-domain of RoboCup, which is mainly intended in the preparation of gifted children interested in robotics. It is very important to understand that this competition has nothing to be jealous of the other leagues, but in fact share the same vision and the required dedication to excel.

#### 2.5.1 Dance

RoboDance might one say to be the most amusing competition of RoboCup, where robots are performing in front of their audience. Dances, most of times, are innovative and unique. Developers are being judged on the novelty of motions, the cooperation of the robots, and finally the synchronization of the robot motion according to the music.

#### 2.5.2 Rescue

Rescue in the Junior league, is a simplified version of RoboRescue and is limited in the line-following problem. Each team has to qualify from a number of tracks whose difficulty gradually increases. The trials are judged on the duration of the track completion and on the agent's behavior in misleading parts of the track, such as line intersections, or line gaps.

#### 2.5.3 Soccer

The soccer competition is played by two cylindrical robots which share the same features and play soccer in a box or in a table surrounded by low walls. This is by far the most exciting competition in Robocup Junior and the most demanding.

### 2.6 RoboCup Soccer League

The RoboCup Soccer League, is the domain with the most fans. In this league researchers combine their technical knowledge in order to prepare the best robotic soccer team among other universities.

### 2.6.1 The Standard Platform League

Standard Platform League (SPL) of the RoboCup competition is the most popular league, featuring two to four humanoid Aldebaran Nao robot players in each team. This league was formerly known as the Four-Legged League with Sony Aibo robots, which were replaced in 2008 by Aldebaran Nao (Figure 2.3). Games take place in a  $4m \times 6m$  field marked with thick white lines on a green carpet. The

two colored goals (sky-blue and yellow) also serve as landmarks for localizing the robots in the field. Each game consists of two 10-minute halves and teams switch colors and sides at halftime. There are several rules enforced by human referees during the game. For example, a player is punished with a 30-seconds removal from the field if he performs an illegal action, such as pushing an opponent for more than three seconds, grabbing the ball between his legs for more than three seconds, or entering his own goal area as a defender.



Figure 2.3: Standard Platform League game in Robocup 2008 (Opponents should be in different colors, but there was a lack of Nao robots in that event due to malfunctions )

The main characteristic of the Standard Platform League is that no hardware changes are allowed; all teams use the exact same robotic platform and differ only in terms of their software. This convention results to the league's enrichment of a unique set of features: autonomous player operation, vision-based perception, legged locomotion and action. Given that the underlying robotic hardware is common for all competing teams, research effort has been focused on the development of more efficient algorithms and techniques for visual perception, active localization, omni-directional motion, skill learning, and coordination strategies.

#### 2. BACKGROUND

During the course of the years, one could easily notice a clear progress in all research directions.

#### 2.6.2 Simulation League

Every year there is a number of simulation games taking place in RoboCup competitions. These include 2D soccer games, where teams consist of 11 agents providing to developers with a perfect multi-agent environment to tune and benchmark their solutions. 3D simulation games exist as well; usage of physics engines demand more realistic approaches.

Simulators offer the ability to control the amount of "negative" realism added in these environments; thus, it is a great way to allow researchers work focusing in multi-agent cooperation approaches and other state-of-the-art algorithms, abstracting from real-world problems (gravity, forces etc).

In RoboCup 2008, three of the most important simulation leagues, were the official RoboCup Simulation League run in an open source simulator, the Microsoft Robotics Studio competition, and the Webots RoboStadium.

#### 2.6.3 Small Size League

A Small Size robot soccer game takes place between two teams of five robots each. Each robot must fit within an 180mm diameter circle and must be no higher than 15cm, unless they use on-board vision. Robots play soccer on a 6.05m long by 4.05m wide, green carpeted field with an orange golf ball. Vision information is either processed on-board the robot or is transmitted back to the off-field PC. Another off-field PC is being used to communicate referee commands and position information to the robots, when an extra camera mounted on top of the field serves as the vision sensor. Typically, off-field PCs are used in the coordination and control of the robots. Communication is wireless and typically use dedicated commercial FM transmitter/receiver units<sup>1</sup>.

<sup>&</sup>lt;sup>1</sup>http://small-size.informatik.uni-bremen.de/rules:main

#### 2.6.4 Middle Size League

Middle Size is more competitive and demanding, having the largest field dimensions among other leagues (Figure 2.4). Two teams of mid-sized robots consist of 5 players each, with all sensors on-board play soccer on a field of  $18m \times 12m$ , whereas relevant objects are distinguished by colors only. Communication among robots (if any) is supported on wireless communications. Once again, no external intervention by humans is allowed, except to insert or remove robots in/from the field. These robots are the best players far among other leagues. The robots' bodies are heavy enough having powerful motors, heavy batteries, omni-directional camera, and a full laptop computer running in every robot; characteristics that make this league a great domain for research.



Figure 2.4: Middle size league game in Robocup 2008.

#### 2.6.5 Humanoid League

The Humanoid League is one of the most dynamically progressing leagues and the one closest to the 2050's goal. In this league, autonomous robots with a human-like body plan and human-like senses play soccer against each other. In addition

#### 2. BACKGROUND

to soccer competitions, technical challenges take place. The robots are divided into two size classes: KidSize (30-60cm height) and TeenSize (100-160cm height). Dynamic walking, running, and kicking the ball while maintaining balance, visual perception of the ball, other players, and the field, self-localization, and team play are among the many research issues investigated in this league. Several of the best autonomous humanoid robots in the world compete in the RoboCup Humanoid League<sup>1</sup>.

#### 2.7 Kouretes Team

Kouretes Team, is a collaboration of the Intelligent Systems Laboratory at the Department of Electronic and Computer Engineering, and the Intelligent Systems and Robotics Laboratory at the Department of Production Engineering and Management. It was the first Greek team participating in Robocup competitions, specializing in the Standard Platform League and the MSRS Simulation League. The team's name, Kouretes, comes from the Ancient Greek Mythology. Formerly consisted by four AIBO robots named Epimedes, Paionaios, Iasios, and Idas, after the five Kouretes brothers, who were ancient Cretan warriors. The fifth brother, Hercules, represents all the human members of the team. Since Spring 2008 four NAO robots joined the team, but they have not been named yet.

Kouretes have participated in many competitions, exhibitions, and affairs, but the highlights of the steep orbit the team followed were the second place in Robocup 2007, Atlanta, USA in the MSRS Simulation League and the first and third place in Robocup 2008, Suzhou, China in the MSRS Simulation League, and the Standard Platform League accordingly.

More information and news of the team but also its members can be found at <a href="http://www.kouretes.gr">http://www.kouretes.gr</a>.

<sup>&</sup>lt;sup>1</sup>http://www.tzi.de/humanoid/bin/view/Website/WebHome



Figure 2.5: Kouretes team 2008 formation. From left to right in the front row are Andreas Panakos(SPL), Daisy Chroni(Simulation Team), Alexandros Paraschos(SPL), Stathis Vafias(Simulation Team), and in the back row Professor Michail G. Lagoudakis(Kouretes Team Leader) and Georgios F. Pierris(SPL).

#### 2.8 NAO Robot

Nao, in its final version, is a 58 cm, 4.3 Kg humanoid robot. To this time, Nao has not been released commercially yet, however Aldebaran's goal is to eventually promote Nao as an educational robotic platform and a family entertainment robot affordable to most budgets. The initial limited edition of the robot (RoboCup edition v2) made its debut at RoboCup 2008. The Nao robot carries a full computer on board with an x86 AMD Geode processor at 500 MHz, 256 MB SDRAM, and 1 GB flash memory running an Embedded Linux distribution. It is powered by a 6-cell Lithium-Ion battery which provides about 45 minutes of continuous operation and communicates with remote computers via an IEEE 802.11g wireless or a wired ethernet link. The Nao robot features a variety of sensors and actuators.

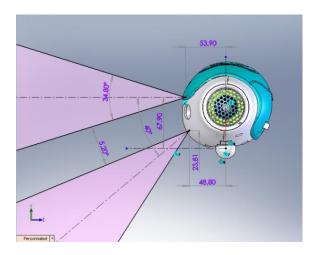


Figure 2.6: Nao's field of View

#### 2.8.1 Cameras

In the NAO V2 robot, only one camera was mounted in the head. It was a 30fps,  $640 \times 480$  color camera, provided with a rich API, allowing us many interventions, in order to get the best result, under any reasonable lighting conditions. Unfortunately, probably a driver bug caused us a lot of problems, since the camera output was in bytes in YUV422 format. The ordering was of U, Y1, V, Y2, however sometimes a shift in this order flipped the U and V in the resulting image. Even though, most colors were unaffected, orange was light purple in the output. Some solutions to this problem have been suggested by GT/CMU, rUNSWift and other, but this problem finally solved in the V3 robot by Aldebaran.

During the first games, it was clear that NAO did not have a clear view in the short frontal area. Even when the Head Pitch Joint angle was at its lowest value, the ball was not visible and its position was not determinable according to the NAO's legs. Thus, most teams were obliged to create a bend motion, not only consuming gameplay time, but also stressing the NAO's joints. The answer from Aldebaran, was to mount a second identical camera in the head, pointing directly in the short frontal area. In the NAO V3, these cameras are mounted on the head in vertical alignment providing non-overlapping views of the lower and distant frontal areas (Figure 2.6), but only one is active each time and the view

can be switched from one to the other almost instantaneously.

#### 2.8.2 Connectivity

Connecting to a robot is a major concept, thus Aldebaran provide us three means of connection. The NAO robot, can be connected directly or sharing the same network, through a wired ethernet link. Additionally, an IEEE 802.11g wireless card is available, which is the frequent way of connection, due to the lack of forces applied to the robot through the network cable, and finally Aldebaran provides a serial cable, which comes into play when we want to debug the robot, and read messsages concerning the Nao's procedures.

#### 2.8.3 Audio, Sensors, Various

A pair of microphones allows for stereo audio perception. Two ultrasound sensors on the chest allow Nao to sense obstacles in front of it and a rich inertial unit (a 2-axis gyroscope and a 3-axis accelerometer) in the torso provides real-time information about its instantaneous body movements. Finally, an array of force sensitive resistors on each foot delivers feedback on the forces aplied to the feet, while encoders on all servos record the actual joint position at each time and two bumpers on the feet provide information on collisions of the feet with obstacles. The Nao robot has a total of 21 degrees of freedom; 4 in each arm, 5 in each leg, 2 in the head, and 1 in the pelvis (there are 2 pelvis joints which are coupled together on one servo and cannot move independently). Stereo loudspeakers and a series of LEDs complement its motion capabilities with auditory and visual actions.

#### 2.8.4 NaoQi

The Nao programming environment is based on the proprietary NaoQi framework which serves as a middleware between the robot and high-level languages, such as C, C++, and Python. NaoQi offers a distributed programming and debugging environment which can run embedded on the robot or remotely on a computer offering an abstraction for event-based, parallel and sequential execution. Its

#### 2. BACKGROUND

architecture is based on modules and brokers which can be executed onboard the robot or remotely and allows the seamless integration of various heterogeneous components, including proprietary and custom-made functionality.

#### 2.9 General Overview

In overall, Aldebaran Robotics designed and assembled a low-cost robot, which can be a great, not only scientific, but also entertaiment platform, easily programmable, focusing on the wide audience of robotics' researchers and fans. The development of humanoid robots is a tough procedure that only few universities and companies have undergone, and even fewer were located in Europe.

To be fair, we have to admit that the first version of Nao was not functional to the level Robocup teams would like it to be. Nevertheless, most teams were able to present some basic soccer behaviors, confirming that even under these limitations and the minimum available time for development, people involved in Robocup gave their best shot.

Nowadays, in February 2010, code development in Nao V3+, has become a less tedious work, and we are all looking forward to take the best out of this platform, in order to make our contribution in the RoboCup community.

# 2.10 Communication Technology Background

goal.

#### 2.10.1 UDP

The User Datagram Protocol (UDP) is one of the many protocols used in the Internet. Applications can use UDP to exchange messages (called datagrams, in UDP terminology) without creating data-paths or other special transmission channels. UDP is an unreliable service, as it does not offer any guarantee in terms of reliability, ordering, and data integrity. Thus, datagrams can arrive out of order, get duplicated, or get lost without notice. UDP's assumption is that

16

either error checking is not necessary or it is performed by the receiving application. Despite its shortcomings, UDP is used widely in real-time applications as dropping packages is a more viable policy than blocking an application until an expected message is delivered. Another characteristic of UDP is that it has no congestion control, so it does not self-regulate itself. As a result, many applications for on-line gaming or VoIP use UDP to transfer their data. UDP also allows packet broadcasting (packets sent to all nodes in a local network) and multicasting (packets sent to members of a group). Multicast is a one-to-many technique for communication over an IP infrastructure network. Senders do not have prior information about how many receivers there are or who they are. Multicast utilizes the network infrastructure by requiring the source to send a packet only once, even if there are multiple recipients, and then the network nodes are responsible for relaying the messages, if necessary, to reach all recipients.

#### 2.10.2 The Publish/Subscribe Paradigm

The publish/subscribe paradigm [2] is a messaging paradigm, where publishers (senders) are ignorant of the recipients of the published messages. Publishers classify each message into a number of classes. On the other end, subscribers express interest on one or more of these classes, so they receive messages only from those classes they are interested in, without any involvement of the senders. There are two widely-used forms for filtering the messages arriving to subscribers: content-based and topic-based. In content-based filtering, a message is delivered to a subscriber, only if certain attributes of the content of the message satisfy the constraints imposed by the subscriber when subscribed. On the other hand, in topic-based filtering, publishers tag their messages with a topic and subscribers subscribe to certain topics which they know they are interested in. There is also a hybrid approach, whereby publishers tag their messages with topics and subscribers create content-based subscriptions. Many publish/subscribe systems use an intermediate broker for dispatching the messages. The broker is responsible of maintaining the list of subscriptions and forwarding all the published messages to the appropriate recipients.

#### 2.10.3 Google Protocol Buffers

Google Protocol Buffers [3] are a flexible, efficient, automated mechanism for serializing structured data. The user defines the data structure once and then uses the generated source code to write and read the defined structures to and from a variety of data streams using a variety of programming languages. Another great advantage of protocol buffers is that data structures can be updated without breaking the already deployed programs, which are capable of handling the old format of the structures. To use protocol buffers one must describe the information for serialization by defining protocol buffer messages in .proto files. A protocol buffer message is a small record of information, containing name-value pairs. The protocol buffer message format is simple and flexible. Each message type has at least one numbered field. Each field has a name and a value type. The supported types are integer, floating-point, boolean, string, raw bytes, or other complex protocol buffer message types, thus hierarchical structure of data is possible. Additionally, the user can specify rules, if a field is mandatory, optional, or repeated. These rules enforce both the existence and multiplicity of each field inside the message. As a next step, the user generates code for the desired language by running the protocol buffer compiler. The compiler produces data access classes and provides accessors and mutators for each field, as well as serialization/unserialization methods to/from raw bytes. Officially, Google supports C++, Java, and Python for code generation, but there are several other unofficially supported languages.

#### 2.10.4 Blackboard

Blackboard [4] is a software architecture model, in which multiple individual knowledge sources share a common knowledge base, called *blackboard*. The sources can read or update the contents of the blackboard and therefore, as a result, the sources could cooperate to solve a problem. The Blackboard model was introduced in order to handle complex, ill-defined problems, whose solution is the sum of the solutions of simpler problems. Typically, a blackboard system consists of three main components:

The Knowledge Sources These are modules that perform certain tasks and contribute to the solution of the problem. Knowledge sources are software programs which operate independently of each other, which enables the designer of an application to eventually replace certain sources that become outdated or slow down the system. This is an important characteristic especially nowadays when the pace of developing software is rapid and the necessity of updating individual modules is invaluable.

The Blackboard This is a shared memory area where partial solutions, data, and any other information contributed by the knowledge sources is stored and becomes available for access by all knowledge sources. Importantly, the blackboard can be used as a communication mechanism between the sources.

The Control Component This is a module that acts as a moderator between the knowledge sources in order to organize them as effectively as possible.

#### 2.10.5 Boost Cplusplus Libraries

The Boost [?] libraries are aimed at a wide range of C++ users and application domains. They range from general-purpose libraries like the smart\_ptr library, to operating system abstractions like Boost FileSystem, to libraries primarily aimed at other library developers and advanced C++ users, like the metaprogramming template (MPL) and DSL creation (Proto). In order to ensure efficiency and flexibility, Boost makes extensive use of templates. Boost has been a source of extensive work and research into generic programming and metaprogramming in C++. The current Boost release contains, to this date 1.42.0 over 80 individual libraries, including libraries for linear algebra, pseudo random number generation, multi-threading, image processing, regular expressions, unit testing, and many others. The majority of Boost libraries are header based, consisting of inline functions and templates, and as such do not need to be built in advance of their usage.

#### 2. BACKGROUND

# Chapter 3

# Communication

#### 3.1 Need for Communication

Communication is the process of transferring information from one entity to another. The need for such a process is obvious as different entities should co-exist, collaborate with each other. Thus, being able to express feelings, desires, needs and information is crucial to all living beings from a tiny cell to a human being. People instinctively gather and form groups with a common goal either important (i.e. survival) or not (i.e. soccer team). The consistency of these groups is proportional to the communication between its members.

#### 3.2 Communication in a team

Communication among team members is a crucial ability for any kind of team striving to achieve a common goal, especially for teams participating in games, where success can only be achieved through collaborative and coordinated efforts. Teams lacking means of communication are doomed to act simply as a collection of individuals with no added benefit, other than the multiplicity of individual skills. For human teams, communication is second nature; it is used not only for teamwork in games, but also in all aspects of life, and takes a multitude of different forms (oral, written, gestural, visual, auditory).

#### 3.3 Communication across robots

Robots can hardly replicate all human communication means, since these would require extremely accurate and robust perceptual and action abilities on each robot. Fortunately, most modern robots are capable of communicating over data networks, an ability which is not available to their human counterparts. However, exploiting such networking means for team communication purposes in an efficient manner, that does not drain the underlying resources and provides transparent exchange of information in real time is rather challenging problem. Even if data networks are sufficient for exchanging data between robots and computers, there is a lot of research on other fields such as computer vision or sound communication. The research in these areas aim at creating a more human-like robotic platforms , which in the future could be used as a substitute or assistance to humans. This means that except for the network packets robotic systems have to be able to handle other types of messages, like sounds or interpretation of visual images. Unification of all these different messages is easier said than done, however a lot of work has been made in order to have a transparent way for dealing with this diversity.

## 3.4 Communication in Robocup

A key aspect of most RoboCup leagues is the multi-agent environment; each team features 11 (simulation), 5 (small-size), 6 (mid-size), 3 (humanoid), or 3 (standard platform) robots. These robots cannot simply act as individuals; they must focus on teamwork in order to cope effectively with an unknown opponent team and such teamwork requires communication. Fortunately, the use of a wireless network is allowed in most leagues, however there are strict rules about the available bandwidth for each team with the maximum bit rate varying between 500Kbps and 2.2Mbps.

A common requirement in almost all RoboCup leagues is that all players must be able to listen to the so-called game controller [5], which is software that acts as a game referee and runs on a remote computer. The game controller broadcasts messages over the wireless network that contain important information about the state of the game (initial positioning period, game start, game time, game completion, goal scored, penalty on a player, etc.). Even though this is one-way communication (the game controller does not expect any messages from the robots), the ability to receive and decode correctly game controller messages is a crucial communication component for each team. It has even been suggested that teams not listening to and obeying the game controller of the league should be automatically disqualified.

Each robot of an SPL team typically maintains a local perception obtained through a vision module, a local estimate of self location obtained through a localization module, a local active role which might be dynamically assigned by some behavior module, and a local status which indicates the state of the robot (active, penalized, fallen-down, etc.). To assess the benefits of the ability of transparent intra-team communication, consider the following scenarios: (a) say that robot 3 has spotted the ball, whereas robot 2 is scanning for it; robot 2 could be facilitated in locating the ball through a perception.robot[3].ball query to get the (possibly noisy) ball coordinates from robot 3 and actively look for it in that direction; (b) say that robot 2 has lost its estimate of selflocation; a perception.robot[\*].teammates that returns coordinates of visible teammates could greatly facilitate recovery of its own location; (c) say that a robot needs to determine its current role depending on the current formation of the team; a localization.robot[\*].location query could return the (estimated) locations of all robots in the team and therefore lead to a decision about role assignment; (d) say that the goalie (robot 1) has fallen down leaving the goal unprotected; a behavior.robot[1].status could guide a defender to urgently cover the goal in some way. Additionally, the benefits of communication can be valuable to the human developers during debugging: (a) a perception.robot[3].camera query could bring the camera stream of robot 3 to a remote computer; (b) a localization.robot[\*].location could bring the (estimated) locations of all robots for display on a remote monitoring computer; (c) a behavior.robot[\*].status query could be used to visualize the status of each robot. These examples indicate that development and actual game play can be greatly facilitated by a transparent and efficient communication framework.

### 3. COMMMUNICATION

# Narukom

### 4.1 Name

Before we dive into the technical details about narukom, we spare a little time in order to explain why we gave the name Narukom to our framework. In the beginning, the name was Kouretes System of Communication (KouSoCom), but after watching approximately 300 episodes of the popular Japanese cartoon (a.k.a anime) Naruto in less than ten days, so we decided to include Naruto in the title. As a result KouSoCom became Narukom from the combination of the words Naruto, Kouretes and Communication.

# 4.2 The Concept

After the adoption of the Nao platform, our team did not have a framework to share information between the robots. The majority of the messages was quick hacks developed by individuals which made the code maintenance infeasible, thus the need for a well defined, easy to use framework emerged. The proposed communication framework, Narukom, tries to address the communication needs of robotic teams by providing an efficient, flexible, and simple way of exchanging messages between robots, without imposing restrictions on the type of the data transferred over the network.

### 4.3 Architecture

### 4.3.1 Overview

Narukom's main idea is a topic-based publish/subscribe system for exchanging messages locally or over the network <sup>1</sup>. On each node there is only one instance of an intermediate broker (Message Queue), that temporarily stores published messages and delivers copies to the interested subscribers. The Message Queue holds a hierarchical topic tree, which is used for subscribing to messages on a particular topic (on\_topic) or on a topic and its ancestors (above\_topic) or on a topic and its descendants (below\_topic).

### 4.3.2 Narukom in Robocup

A robotic agent is composed of modules that implement different concrete functionalities. The idea that modules produce data for other modules and use data from other modules comes quite natural, as, for example the behavior module depends on data from localization module and the object recognition module uses color-segmented image from the image segmentation module. In our team's architecture, modules that operate on the same data are grouped in a thread. Threads are perceived as publishers or subscribers (or both), which could publish data on certain topics or receive data by subscribing to certain topics. In order to simplify the way threads or modules share such data, Narukom introduces a distributed Blackboard design, whereby modules from different threads on the same or even different network nodes access transparently the desired data.

#### 4.3.3 Blackboard

A Blackboard module in the context of the publish/subscribe paradigm is simply a subscriber, which serves other module requests for data, stored internally and published by modules or threads on the same or remote node. There could be

<sup>&</sup>lt;sup>1</sup> Apart from robot-to-robot communication, Narukom is used also for robot-to-computer communication , so we refer to both systems ( robots and computers ) as network nodes or shortly nodes.

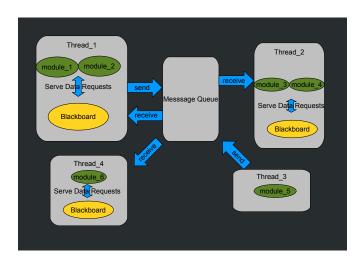


Figure 4.1: Narukom's architecture.

either one blackboard for all the modules/threads of a robot or multiple blackboards, one for each thread running on the robot. Our team adopted the later design, because of the synchronization problems occurring on the former. A graphical overview of the Narukom architecture is shown in Figure 4.1. A simple interface is given to the user to access data, requests have the following form publisher.robot[X].type\_of\_message. This differs from the anticipated form of robot[X].publisher.type\_of\_message, but it was a design decision that will be explained in the next chapter.

### 4.4 Data Serialization

Serialization is a well-known issue when exchanging data over the network between heterogeneous systems. This issue was a major concern when designing Narukom, consequently several frameworks were assessed according four criteria

- Language support, Support for both C++ and python was a hard constraint as these two languages now used in the Nao platform,
- User friendliness, users should have the ability to describe easy and quickly new data structures,
- Cross-platform, Narukom aimed to be a cross-platform framework and

• Efficiency, the selected framework must be robust.

There were five main candidate solutions that were extensively reviewed, XML, CORBA, boost serialization library, google protocol buffers and a custom serialization method. Here, follows a brief comparison between those alternatives in order to make clear why we chose google protocol buffers over the other frameworks. XML met all our needs but efficiency, as extensive parsing of XML files is a resource draining procedure on a real-time system such as a robotic system. Although CORBA does meet all the criteria, it is not the ideal solution in terms of efficiency. Continuing to boost library, failed in the terms of user friendliness requiring users to write their own serialization methods and at the same time there was no simple way to define new messages. The procedure is not painful, but it was preferred to follow a solution, which messages could be declared and described independent of a specific programming language. The development of our own serialization method, as tempting as it sounds, it would introduce serious debugging, code maintenance problems not to mention that optimizing the whole procedure is a long, painful path to follow. Finally, as far as protocol buffers are concered cover all our needs. Definition of messages is simple and intuitive , C++,python are officially supported by Google and last but not least the code is heavily tested and optimized, all these made protocol buffers the ideal tool for constructing our hierarchical message structures. Every message definition in Narukom takes the following form with five mandatory attributes in its preamble:

These five attributes can be characterized as the metadata of every message required by Narukom in order to provide its services accurately. A short explanation of each of these attributes follows:

- host is the unique name of the node sending the message
- publisher is the name of the publisher that generated the message
- topic is the topic to which the message belongs
- timeout is a 32-bit integer indicating the amount of time (in milliseconds) after which the message expires and should be discarded from the Blackboard
- timestamp is a string indicating the absolute time at which the message was published and is used for synchronization purposes between publishers and subscribers.

## 4.5 Synchronization

Synchronization among the modules of a robot is vital for accurate operation<sup>2</sup>. Narukom, in order to address the decoupling between publishers and subscribers, adds some synchronization information in the meta-data of each message (timeout and timestamp). Under this convention, the Blackboard's original interface had to be slightly altered to provide modules with synchronized data, should the need arises. If a module queries the Blackboard with a certain time stamp value, the Blackboard will have to find and return the data with the closest timestamp value in the Blackboard. The timestamp attribute is the absolute time at which the message was published to the Message Queue and the timeout attribute is the (relative) amount of time (in milliseconds) indicating how long a subscriber should keep the message in its own Blackboard, counting from the time of arrival. The timeout mechanism is necessary for avoiding excess amounts of expired, useless data on the Blackboard. It should be stretched that these synchronization rules cannot be imposed and every subscriber has the flexibility to comply or not with those rules. Narukom's distributed Blackboard implementation utilizes

<sup>&</sup>lt;sup>2</sup>Anecdotal evidence for this claim includes our team's performance at RoboCup 2009, where the camera images processed by our vision module were not in synch with the robot head pose recorded by the behavior module, thus yielding erroneous object perceptions with catastrophic consequences on the robot's behavior.

these two attributes in each message to achieve a balance between the length of the synchronization period and the amount of memory needed for this purpose, allowing different settings for each message type.

### 4.6 Communication within and across nodes

Communication between threads running on the same node is implemented simply through the Message Queue of the node, as described already above. Communication between different nodes adopts a somewhat different approach. Given the publish/subscribe nature of Narukom, it is clear that the only missing part for communication over the network is a module, which subscribes to all topics and broadcasts over the network messages destined for other nodes, and at the same time listens to broadcast traffic on the network and publishes the relevant messages on the local Message Queue. To this end, Narukom introduces the Catalog module. This module maintains contact information about the other nodes on the network and the type of data other nodes might be interested in. The first question we should address is why it is important to have this functionality. In a distributed system, especially in robotic environment, agents must be aware of all the on-line team members in order to utilize all the available resources for exchanging data across nodes, thus complex behaviors and distributed algorithms are much easier to be implemented.

#### 4.6.1 Channels

A multi-purpose robot, such as Nao, has multiple means of interacting with its environment, either sensors or actuators. Sensors (camera, network adapter, microphones, etc.) sense the robot's environment, whereas actuators (motors, network adapter, speakers, etc.) affect the robot's environment. If the effect of a robot's actuator is observable by another robot's sensor, this pair of actuator/sensor offers a possible communication channel. Narukom tries to integrate different channels into the framework. To do that introduces the catalog modules, which is responsible for holding contact information about any available peer in

through Narukom's framework, at the same time is responsible for controlling the channels already implemented in Narukom.

By default, the Catalog module establishes two channels: one listening for network-broadcast data from other peers and another one for broadcasting data to all the reachable peers through network. Both channels use the UDP transmission protocol. The Catalog Module establishes an extra incoming channel for interacting specifically with the game controller, wherever there is such a need.

### 4. NARUKOM

# From Theory To Practice

This section describes all the optimizations, implementation decisions and details of Narukom. The primary goal of Narukom is to be used as a communication framework in robotic environments, so most of our choices were in favour of real-time embedding systems and specifically for the Standard Platform League competition. Consequently, Narukom does not fit in all problem domains.

## 5.1 Understanding the basics

### 5.1.1 Messages

message xxxMessage{

The exchanged data between the threads are protocol buffers messages, defined by the user. Narukom requires to include in each message definition some attributes that are of outmost importance in order for Narukom to work properly and handle every message. As metioned before, every message definition in Narukom takes the following form with five mandatory attributes in its preamble:

```
required string host = 1 [default = "localhost"];
required string publisher = 2 [default = "" ];
required string topic = 3 [default = "global"];
required int32 timeout = 4 [default = 0];
```

required string timestamp = 5 [default = ""];
< attributes specific to the xxxMessage type >

}

Narukom includes a definition of a basic structure called BasicMessage in order to deal with all the messages. Each attribute serves a purpose,

- host, publisher attributes are used in order to distinguish messages from the between network nodes.
- topic is the topic in which each message should be published and
- timeout, timestamp are the temporal information needed by *Narukom* for synchronization purposes.

### 5.1.2 MessageBuffer

This structure is a thread safe and as its name suggests, is a buffer in which protocol buffer messages are stored. Apart from the simple vector to hold the messages, the structure has a string attribute named owner, which denotes the name of the owner of the buffer. It must be noted that message buffer is implemented as monitor.

## 5.2 Publish/Subscribe system in *Narukom*

Publish/Subscribe implementation is shown in figure 5.1.

Both publishers and subscribers have one message buffer through which the exchange of data takes place. Message queue, periodically checks all the publishers' buffers and copies them to the buffers of all interested subscribers. This approach minimizes the race conditions when accessing messages, on the cost of high decoupling between the publishers and subscribers, which in real-time systems could be source of undesirable behavior. In the next section, it is described how this problem is addressed. Continuing with the publish/subscribe system, in order for classes use the infrastructure provided by Narukom, should inherit from either Publisher or Subscriber class (or both). Although, there is a default implementation of the interfaces for both classes, it is recommended

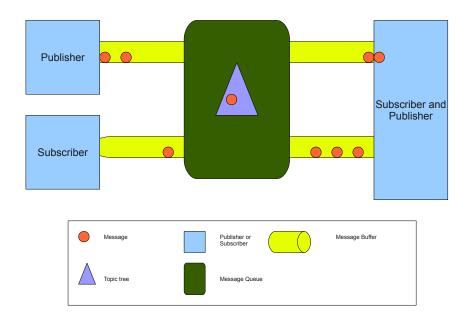


Figure 5.1: Narukom's publish/subscribe implementation.

derived classes not to rely on the default implementation as it might have undesirable effects on the behavior of their system. The Publisher class requires the implementation of the method:

### void publish( google::protobuf::Message\* msg)

The default implementation of this method just adds the msg message to the buffer, which in the majority of the scenarios would be a sufficient behavior for sending a message. On the other hand, classes derived from Subscriber class is strongly encouraged to provide their own implementation of the method:  $^1$ 

void process\_messages()

### 5.2.1 Message Queue

Message queue performance affects directly the overall performance of our system, thus several optimizations have been made to this class. The most important

<sup>&</sup>lt;sup>1</sup>The default implementation of the process\_messages() is provided just as a reference.

optimization is that the internal topic tree is used as a reference structure, while the actual data structure used is a hash table on all the topics the tree included. The configuration of the tree is done via an XML file on each node, on the initialization of the message queue the file is parsed and the tree is created. The hash table gives us fast retrieval on the list of subscribers to which the arrived message must be delivered. Furthermore, when it comes to reading the message's meta-data, a cast to BasicMessage type is used, overriding the normal way of accessing data in protocol buffers. It must be stressed that this approach is used ONLY for reading and ONLY in Blackboard and Message Queue classes. under no circumstances is recommended as the normal way for accessing the meta-data required by Narukom. This is considered a heavy optimization which could stop working after a new release of protocol buffers. Last but not least, instead of keeping pointers to the publisher or subscriber, a message buffer pointer is used in order to avoid the small overhead of calling an extra method every time Message Queue needs to access a buffer. As insignificant as these optimizations may seem, in (SPL), where software makes the difference, they could decide the winner of a game.

## 5.3 Blackboard and Synchronization

The implemented publish/subscribe system maximizes the decoupling between publishers and subscribers, thus a lot synchronization issues might arise between threads running locally on a node. this problem is dealt, by adding two attributes in the meta-data of each message. Narukom introduces some conventions for each message, when a message is published a timestamp is assigned (at least in the default implementation of publish), at the time the subscriber receives a message should check the validity of the data by ensuring that those data are not expired, on data expiration subscribers are advised to dispose those messages in order to limit the excess and unusable information on a node. It should be noted that those are convention of Narukom that are used internally and cannot be imposed on subscribers, each subscriber is free to comply or not with them. Narukom's blackboard utilizes the time information to minimize memory allocation and provide synchronization services to the higher level system. Blackboard

implementation creates two indexes over the stored messages, one to provide fast access for data requests and another to provide fast cleanup time. The latter index is an ordered list in terms of absolute timeout calculated when new messages are stored in the blackboard. Frequently, the blackboard cleans up all the expired data.

### 5.4 Communication across nodes

Communication between the nodes of Narukom is achieved through channels, which are well-defined pairings between actuators (motors, speakers, network adapter) affecting the robot's environment, whereas sensors (camera, microphones, network adapters) sense the robots environment. Narukom was designed in order to be able to utilize all the individual channels, to tackle with the wide range of features and integrate those channels in the framework catalog module introduced.

## 5.5 Catalog Module

Catalog module could be characterized as the address book of each node in Narukom, since it holds all the contact information of all the reachable peers by the node itself. Furthermore, Catalog is responsible for creating and destroying the various channels that the node is able to use in order to communicate with other nodes. The idea behind this module is that in distributed environments a node must be aware of all the available nodes and what type of service they provide. In detail, the information stored in a catalog module are names of all reachable peers, through which channels are these nodes available and which kind of data are interested in. Moreover, catalog holds a list of all the usable channels on the node and has the ability to start, stop or filter the type of messages that are sent through each channel. The filtering is done by sending commands that a channel can interpret into one of the above functions. These commands are a protocol buffer message with the following attributes

```
message ChannelCommand{
required string type = 1 [default = ""];
```

#### 5. FROM THEORY TO PRACTICE

```
required string element = 2 [ default = "none"];
}
```

There are four different types of commands

- subscribe, when this type of message is received, a channel must subscribe on a certain topic.
- unsubscribe, a channel should unsubscribe from a topic
- enable, this command is used to enable a specific type of message to be sent through it, by default after the subscription of a channel all the incoming messages are enabled and the
- disable, obviously this is the opposite of the enable command.

The attribute element is in accordance with the command type, in case of (un)subscribe, it should hold the topic, whereas when sending an enable or disable command it must be a type of message. Channels should implement a simple interface, which is:

- bool start(), with this the catalog modules starts a channel,
- bool stop() fucntion is used to stop a channel,
- list\_of\_hosts available\_peers() catalog asks for all the information about the reachable peers continuing to,
- list\_of\_strings prefered\_message(), with which the catalog is informed about what channels could be produced from this channel and
- bool process\_command(const ChannelCommand cmd) used to send a command.

These four functions are adequate for Catalog to control a channel and provide the system with all the information for a channel. Before closing this section it should be noted that all these are conventions used by Narukom to provide users a unified way of controlling the behavior of a node in terms of communication with other reachable nodes. Narukom does not require this functionality but should a programmer decides to extend Narukom's capabilities by creating a customized channel, this channel to be treated as an integrated part of the rest of the system. However, there could be a channel which does not implement the required interface, this does not raise any problem to the rest of the system as it would be treated as any other module on the system.

### 5.6 Network Communication

Network communication is the first and most important way for exchanging data between nodes. Protocol buffers messages are serialized and if their size makes it impossible to be sent on one message then they are chopped to network packets. The definition of the NetworkPacket structure follows:

```
message NetworkHeader
{
  required uint32 message_num = 1 ;
  required uint32 packet_num =2 [default = 1];
  required uint32 number_of_packets = 3[default = 1];
  required string timestamp = 4 [default = ""];
  required uint32 timeout = 5 [default = 1000];
  required string host = 6;
  required string type =7;
}

message NetworkPacket{
  required NetworkHeader header = 1;
  required bytes byte_buffer =2;
}
```

A network message acts as buffer for NetworkPackets. On the other end , network messages are stored to network message buffers.

#### 5.6.1 NetworkChannel

NetworkChannel class is a class which encapsulates all the communication functionality provided by any network network channel (i.e. TCP based, UDP based, etc.). This class is a derived class of Channel and provides implementation for all the methods of its base class. In addition, introduces new functionality provided mainly in network such as, resolve host or notification on events such as sent or receive timeout, etc.

### 5.6.2 UpdMulticastChannel

The only channel that is so far implemented in Narukom is a simple multicast channel over udp. A sharp reader could easily devise that UdpMulticastChannel class is a child class of NetworkChannel. The implemented channel is not reliable, meaning that there is no guarantee that sending a message through this channel it would reach its destination, but provides a partial guarantee that if a part of the message is arrived on one node then the whole message should be delivered. The algorithm that ensures that a whole message will be delivered or not is:

```
receive packet from the network =>
add packet to the appropriate network message =>
Is the whole network message?
```

- a) yes: then recreate the original message and publish it then remove it fro
- b) no: if the packet is out of order send NACK Messages for all the pending

At fist site, it might be wrong decision to use an unreliable channel for our transmissions, but in real-time systems the described behavior is preferred than a bandwidth consuming approach (i.e. TCP). The UdpMulticastChannel subscribes by default on global topic where important information interesting for all the nodes on the network are published. Finally, the catalog module under certain circumstances (during a robocup game) initializes another UdpMulticastChannel in order to listen to the game controller.

# Results

The evaluation of the proposed approach was made on the following subjects:

- Validation: to validate that Narukom works properly we carried out experiments testing both inter-process and intra-process communication,
- Metrics: A variety of tests to measure the performance of Narukom,
- Synchronization: In order to test the synchronization capabilities of Narukom a simple application was developed, last but not least,
- User friendliness: A very small group of developers was asked to create a simple chat application to assess the user-friendliness of our framework.

### 6.1 Validation

Narukom has been tested successfully for both inter-process communication on a single node and multiple nodes using a simple threaded application which simulates a ping-pong (table tennis) game. There are two threads for the two players and two message types (Ping and Pong), one for each player. These two threads communicate through Narukom's publish/subscribe infrastructure, which is used to deliver the Ping and Pong messages between them. Apart from the two players there is a scorekeeper, another thread which is responsible for keeping the score, as its name suggests. The player who has the ball picks randomly a side (left or right) to which the ball should be sent and publishes a message to declare the

completion of his move. On the other side of the table, the other player picks the side where his racket will be placed (left or right) and listens for the opponent's move (he subscribes to opponent messages). If the side he chose for the racket matches the side to which the opponent sent the ball, the game continues with the next move. If the sides of the racket and the ball do not match, a point is awarded to the player who sent the ball and the game continues with the next move. The scorekeeper subscribes to both types of messages and continuously prints out the current score.

### 6.2 Metrics

Narukom to the extreme, in order to measure the performance of Narukom various tests were carried out such an approximate calculation of average time for message delivery, measuring network throughput under high traffic, framework's reliability over udp multicast.

### 6.3 Synchronization

In order to ensures that Narukom's synchronization capabilities are adequate to used in SPL we developed an application where two threads running on different frequencies demand previous published data from each other. In more detail, there is one thread (Fast) running approximately every 10 milliseconds and another one (Slow), which is run every second and asks for data that has already been created.

### 6.4 User Friendliness

Nowadays, ease of use plays an important role of in the adoption of a product, thus we decided to conduct a limited (in terms of the number of people) survey to assess the level of user friendliness of our framework. After a short presentation of Narukom , we asked a small group of developers to create a simple chat application. Afterwards , we asked them to write a brief description of their thoughts working with Narukom.

# Related Work

In this section we give a short overview of what other RoboCup teams have published to our knowledge about their communication system and compare their work to ours. There are various approaches for sharing information among processes on a robot and among processes on different robots. These approaches can be summarized into the following main ideas:

## 7.1 Shared Memory

The main idea here is to define a shared memory area on each node, which holds information about the current world model. Each module can write to and/or read data from this shared location. Under this scheme, different nodes use a simple UDP protocol to exchange important data. This is quite similar to our approach, however communication is mainly point-to-point and lacks the organization and efficiency imposed by the hierarchical topic-based publish/subscribe scheme. Furthermore, depending on the implementation, problems with corrupted data could be appear, if no lock and safety mechanisms are implemented. This idea with variations has been adopted by teams as Austin Villa [6], BreDoBrothers [7]

### 7.1.1 Blackboard/Shared World Model

This is a similar idea with the previous, however different components access the central storage data via well defined interfaces, providing with the mechanisms that might be absent from the approach above. Team robots share the information of their blackboard creating a world model composed of the individual robots' perceptions. There is one variation from GTCMU [?] where validity flags are added to the objects stored in order to declare "use with caution" when the objects are not updated for a long period of time. For intra-robot or debugging purposes custom communication systems are used over UDP or TCP. The purpose of data exchange suggests the used protocol, for example for debugging purposes TCP is used, while when in game UDP transmission is preferred. The shared model is close to Narukom's implementation of distributed blackboard, but the exchange of newly created data requires from the programmer writing code for sending and receiving those data, whereas on Narukom newly declared Messages are immediately ready for network transfer. The vast majority of robocup teams use a slight variation of this approach such as Zadeat [8], rUNSWift [?].

### 7.1.2 Message queue and Streams

This idea is advocated recently by team B-Human [9] and earlier by the German Team [10]. It is based on using message queues for constructing three different types of cross-platform communication streams: (a) inter-process communication between the cognition and the motion module, (b) debug communication between robots and remote computers for debugging purposes, and (c) information exchange between the robots. The first type is similar to Narukom's inter-process communication. The other two types are implemented differently in Narukom, but they serve the same purposes. Again, this idea lacks the organization and efficiency of Narukom. It must be noted, however that a lot of effort has been put into creating a full featured Stream library to support the required functionality, which is not present in Narukom.

### 7.1.3 Publisher/Subscribe

This idea is based on the publish/subscribe paradigm and has been adopted only the Austrian Kangaroos [11] team. The idea is to use a publish/subscribe architecture for exchanging data between the threads on the same machine by triggering signals in all connected modules if a subscribed memory location is altered. This design allows an IRQ-like implementation of service calls at a high system level. Network communication is done via SOAP wrapped functions calls, which generally are considered heavy compared to Narukom's approach. On the other hand, in this approach there each module a more direct access to remote data by subscribing to remote memory locations.

### 7.2 Overview

Generally speaking, Narukom integrates features that support any communication need in the SPL; these features are not found collectively in any other existing communication system. One may argue that Narukom's functionality could be implemented using the infrastructure provided by the proprietary NaoQi middle-ware offered by Aldebaran Robotics with the Nao robots. This is true, however Narukom's purpose is to provide a communication system that does not depend on proprietary technology and can be used widely on many different robotic teams, apart from Nao robots, and other real-time distributed systems. Narukom also represents our efforts in departing from the dependence on the NaoQi framework towards platform-independent customizable software architecture for robotic teams.

### 7. RELATED WORK

# **Future Work**

This is just a small, but well founded step towards our notion of the ideal communication framework for robotic teams and other similar distributed systems. Thus, there are plans for extending, adding and optimizing further the proposed framework.

### 8.1 Alternative Channels

The typical communication channel is certainly the one that utilizes the network adapter as both sensor and actuator and this is the only communication channel currently implemented in Narukom. However, other communication channels can be realized using other pairings, for example messages encoded into motions using the sender's joints and decoded through the receiver's camera or messages encoded into sounds using the sender's speakers and decoded through the receiver's microphones. Narukom can treat all these channels transparently as long as appropriate coders/decoders (drivers) for these channels are provided. Despite the great difficulty associated with the implementation of such interfaces, their importance to true human-like robot autonomy is clearly high.

### 8.2 Narukom outside robocup

The use of Narukom outside the context of Robocup is also an important goal for us. During the implementation of Narukom, decisions were made in order to

#### 8. FUTURE WORK

develop a robust communication system for a robocup team, however it is possible to alter some implementation decisions in order to make Narukom a more suitable candidate for other distributed environments. To achieve this, a wider range of network channels should be implemented. Moreover a basic query-like language could be used to access the blackboard.

## 8.3 Optimization and Debugging

Every project, no matter how well it is tested optimized during the development phase after it is released bugs, bottlenecks are found. Our intention and desire is to continue to actively develop Narukom in order to meet the needs of as many people as possible. As a result a constant procedure of optimizing, debgugin and testing is needed to ensure that Narukom is a robust, easy to use framework.

# Conclusion

Narukom is an attempt to address a lot of communication problems our team had during the last years in Robocup (SPL), while at the same time is a first step towards a cross-platform architecture used in robotic agents. Our journey does not end here our Narukom has, hopefully, a long way, yet to go. The first real world test is the Robocup 2010 in Singapore where both our inter-process and team communication would be based on our framework.

### 9.1 Out To The Real World

Narukom is based on open source projects, so the least we could do is to open source it in the near future. We believe that Narukom can contribute to open source community as a cross-platform, distributed, transparent communication framework for everyone willing to use it. I, personally, would be more than happy to assist anyone dare to use our framework. Additionally, any suggestion, comment, critiscism, imporvement and modification is at least welcomed. By open sourcing Narukom we try to achieve two goals take Narukom to the first step and encourage new coders to make available to the community of open source their code in order to advance the collaboration between programmers and avoid reinventing the wheel every now and then. Finally, I would like to thank those who spent some time using Narukom.

### 9. CONCLUSION

# References

- [1] Kitano, H., Asada, M., Kuniyoshi, Y., Noda, I., Osawa, E., Matsubara, H.: Robocup: A challenge problem for AI. AI Magazine **18**(1) (1997) 73–85 5
- [2] Eugster, P.T., Felber, P.A., Guerraoui, R., Kermarrec, A.M.: The many faces of publish/subscribe. ACM Computing Surveys **35**(2) (2003) 114–131 17
- [3] Google Inc.: Protocol Buffers. (2010) code.google.com/apis/protocolbuffers. 18
- [4] Hayes-Roth, B.: A blackboard architecture for control. Artificial Intelligence **26**(3) (1985) 251–321 18
- [5] Petters, S., Meriçli, T.: RoboCup Game Controller Open-Source Software. (2010) sourceforge.net/projects/robocupgc. 22
- [6] Hester, T., Quinlan, M., Stone, P.: UT Austin Villa 2008: Standing on two legs (2008) Only available online: www.cs.utexas.edu/~AustinVilla. 43
- [7] Czarnetzki, S., Hauschildt, D., Kerner, S., Urbann, O.: BreDoBrothers team report for RoboCup 2008 (2008) Only available online: www.bredobrothers. de. 43
- [8] Ferrein, A., Steinbauer, G., McPhillips, G., Niemüller, T., Potgieter, A.: Team Zadeat team report (2009) Only available online: www.zadeat.org. 44

#### REFERENCES

- [9] Röfer, T., Laue, T., Müller, J., Bösche, O., Burchardt, A., Damrose, E., Gillmann, K., Graf, C., de Haas, T.J., Härtl, A., Rieskamp, A., Schreck, A., Sieverdingbeck, I., Worch, J.H.: B-Human team report and code release 2009 (2009) Only available online: www.b-human.de/download.php?file=coderelease09\_doc. 44
- [10] Rofer, T., Laue, T., Weber, M., Burkhard, H.D., Jungel, M., Gohring, D., Hoffmann, J., Krause, T., Spranger, M., von Stryk, O., Brunn, R., Dassler, M., Kunz, M., Oberlies, T., Risler, M., Schwiegelshohn, U., Hebbel, M., Nistico, W., Czarnetzki, S., Kerkhof, T., Meyer, M., Rohde, C., Schmitz, B., Wachter, M., Wegner, T., Zarges, C.: GermanTeam 2005 (2005) Only available online: www.germanteam.org/GT2005.pdf. 44
- [11] Bader, M., Hofmann, A., Schreiner, D.: Austrian Kangaroos team description paper (2009) Only available online: www.austrian-kangaroos.com. 45